शॉर्ट न्यूज़: 23 जनवरी, 2021

sanskritiias.com/hindi/short-news/23-january-2021

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती

उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना

गुच्छी मशरूम

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती

संदर्भ

भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके जन्मदिवस 23 जनवरी को प्रत्येक वर्ष 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

पराक्रम दिवस

- सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पराक्रम दिवस के रूप में मनाए जाने का उद्देश्य उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को याद करना है।
- पराक्रम दिवस के अवसर पर संबंधित कार्यक्रमों को तय करने और स्मरणोंत्सव के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

नेताजी एक्सप्रेस

- 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय रेलवे ने अपनी सबसे पुरानी ट्रेनों में से एक 'हावड़ा–कालका मेल' का नाम बदलकर नेताजी एक्सप्रेस कर दिया है।

- विदित है कि हावड़ा–कालका मेल को 19वीं शताब्दी में शुरूआती वाणिज्यिक एवं यात्री ट्रेन के रूप में शुरू किया गया था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस

- नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म उड़ीसा के कटक शहर में 23 जनवरी, 1897 को हुआ था। इनके पिता का नाम जानकीदास बोस और माता का नाम प्रभादेवी दत्त बोस था।
- सुभाष चंद्र बोस एक उग्र राष्ट्रवादी थे। उनकी उग्र राष्ट्रवादी गतिविधियों के कारण ही उन्हें प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता से निष्कासित कर दिया गया था
- वर्ष 1919 में इनका चयन भारतीय सिविल सेवा में हो गया था परंतु उन्होंने राष्ट्रसेवा के लिये सिविल सेवा से त्यागपत्र दे दिया।
- सुभाष चंद्र बोस विवेकानंद को अपना अध्यात्मिक और चितरंजन दास को अपना राजनीतिक गुरू मानते थे।
- इन्होने वर्ष 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की। ये वर्ष 1939 में भी कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये थे परंतु इन्होने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया और कांग्रेस के भीतर 'ऑल इंडिया फ़ॉरवर्ड ब्लॉक' नामक गुट का गठन किया।
- वर्ष 1942 में इन्होंने आज़ाद हिंद फ़ौज (INA) नामक सशस्त्र सेना को संगठित किया। आज़ाद हिंद फ़ौज की स्थापना रास बिहारी बोस द्वारा टोक्यो में की गई थी।
- वर्ष 1942 में ही जर्मनी में इनके नेतृत्व में आज़ाद हिंद रेडियो आरंभ किया गया।
- वर्ष 1943 में इन्होंने आज़ाद हिंद सरकार के गठन की घोषणा की।
- सर्वप्रथम इन्होंने ही महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' के रूप में संबोधित किया था।
- 'दिल्ली चलो' 'जय हिंद' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा' जैसे नारे इन्होंने ही दिये थे। इनके द्वारा लिखी गई पुस्तक 'द इंडियन स्ट्रगल' है।
- 18 अगस्त, 1945 को फॉर्मोसा (ताइवान) में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई।

उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना

संदर्भ

थोक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार ने अरबिंदो फार्मा, कर्नाटक एंटीबायोटिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसी दवा कंपनियों को 'उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत मंजूरी प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र के लिये उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना 'फार्मास्यूटिकल्स विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय' द्वारा शुरू की गई है।
- इसका उद्देश्य देश में महत्त्वपूर्ण शुरूआती सामग्री (KSMs) / मध्यवर्ती दवा और सक्रिय दवा सामग्री (API) के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।
- इसके अंतर्गत वर्ष 2020-21 से वर्ष 2029-30 की अवधि के लिये 6,940 करोड़ रुपए के कुल व्यय से, चार अलग-अलग लक्ष्यों के आधार पर 'न्यूनतम घरेलू मूल्य संवर्धन' के साथ ग्रीनफील्ड संयंत्रों को स्थापित किया जाएगा।

- इस योजना के तहत संयंत्रों की स्थापना में कंपनियाँ 3,761 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी और इससे लगभग 3,825 लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।
- इसमें लक्ष्य खंड- I में 4 उत्पाद- पेनिसिलिन जी; 7-एसीए; एरिथ्रोमाइसिन थायोसाइनेट (TIOC) और क्लैवुलैनिक एसिड शामिल हैं। वर्तमान में इन दवाओं का आयात किया जाता है।
- इन्हें निर्धारित मूल्यांकन और चयन मानदंडों के अनुसार प्राथमिकता के आधार शामिल किया गया है।
- विदित है कि भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग परिमाण की दृष्टि से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य की दृष्टि से 14वां सबसे बड़ा है। यह वैश्विक स्तर पर निर्यात की जाने वाली कुल ड्रग्स और दवाओं में 3.5% का योगदान देता है।

उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना [Production Linked Incentive (PLI) Scheme]

- यह योजना वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था के प्रमुख 10 क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- पी.एल.आई. योजना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। साथ ही, वैश्विक और घरेलू हितधारकों को उच्च मूल्य उत्पादन में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित करेगी। इसके माध्यम से 25% कॉर्पोरेट टैक्स रेट में भी कटौती होगी।

गुच्छी मशरूम

संदर्भ

कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले में पैदा होने वाले एक विशेष प्रकार के मशरूम के लिये भौगोलिक संकेतक की माँग की जा रही है। इसको विश्व के सबसे महँगे मशरूमों में से एक माना जाता है।

मुख्य बिंदु

- समशीतोष्ण वनों में पाए जाने वाले इस मशरूम को स्थानीय स्तर पर 'गुच्छी' (Gucchi) अथवा 'मोरेल' (Morel) कहा जाता है।
- यह मशरूम स्थानीय स्तर पर किसानों और आदिवासियों द्वारा एकत्रित की जाने वालीवनोपज है, जिसमें औषधीय और प्रतिदाहक (Anti-Inflammatory) गुण पाए जाते हैं।

भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication- GI)

- जी.आई. टैग किसी**कृषि, प्राकृतिक अथवा विनिर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प तथा औद्योगिक वस्तु) को प्रदान किया जाता है**, जो **किसी विशिष्ट क्षेत्र का प्रतिनिधित्व** करता है या जिसे **किसी निश्चित क्षेत्र में ही उगाया या निर्मित** किया जाता है।
- जी.आई. टैग को**औद्योगिक सम्पत्ति के संरक्षण के लिये 'पेरिस कन्वेंशन'** के अंतर्गत बौद्धिक सम्पदा अधिकारों (IPRs) के घटक के रूप में शामिल किया जाता है।

- जी.आई. टैग प्राप्त होने पर किसी उत्पाद तथा उसके उत्पादकों को संरक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में इन उत्पादों के मूल्य निर्धारण में सहायता मिलती है और ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता व विशिष्टता सुनिश्चित होती है।
- उल्लेखनीय है कि 'दार्जीलिंग टी' वर्ष 2004 में जी.आई. टैग प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय उत्पाद है।